



यमीपमानविधि ॥ ठंरवः ॥ १२. वधिंमैवमैउ  
 : यमुरकमउउलेनभउउयममन ॥ ठंरवः ॥ १३  
 रकुमिमीपमउउनिनयमी मीपमुद्रिविधः ॥  
 उधुनकमः उवउभुउमी न विधिंरकुमिभनरि मु  
 मुठनकमैमभुद विवलिउ वरगरेभरुम निथरीउन  
 पिंसुठमा कलमंविधिवहुधुमल भुयउधमके मीपनु  
 मंभुधुउभुयधमंयउमी ॥ नवगुहउधुवधुं मिमिव  
 मिउय उयमकि नैरुहं एववमिभुभरुठउ उयधमि  
 यहंनरुभनउिवैवमैउ रिसाहभउरुधंमभमधुध  
 रुरा उलेमीठिकलिकयं धधंमहसुभनरि रमय  
 विवलयभनरुधध ॥ १४. नभंनः ॥ १५. नभंनः ॥  
 उलेमीडः

३३.



*[The manuscript page contains several lines of handwritten text in Devanagari script, which appears to be a form of Sanskrit or Prakrit. The ink is dark brown/black, and the paper shows signs of age and wear.]*

इष्टकलमः ॥ ५ ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

५३

पद्मी... अत्र हि

कथं नृभ्यः पश्यतं व...  
उत्तमं नृभ्यः ॥ ६ ॥ द्वितीयं नृभ्यः प्रचे भीत  
मुख्यं नृभ्यः ॥ अत्रिंशत् नृभ्यः प्रियं नृभ्यः नृभ्यः ॥  
द्विंशत् नृभ्यः प्रियं नृभ्यः नृभ्यः ॥ ७ ॥  
अत्रिंशत् नृभ्यः प्रियं नृभ्यः नृभ्यः ॥ ८ ॥  
यनमः ॥ नृभ्यः यनमः नृभ्यः ॥ यनमः ॥ यनमः ॥  
नमः भनृभ्यः ॥ नृभ्यः यनमः नृभ्यः ॥ यनमः ॥ यनमः ॥  
उद्विष्टः वनृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः  
यनमः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः  
यनमः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः  
कृतं नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः नृभ्यः



[illegible]

[illegible]



[illegible]

॥ १ ॥ इह भद्रिउत्तम भद्रमः

व भुभारुमिभं प्रकमवि ॥ १ ॥ उक्तेभा उरुदमीप  
॥ २ ॥ भिसेएनन ॥ ३ ॥ भुभकमे ॥ ४ ॥ यरुभिभउ ॥ ५ ॥ भुभ

॥ ६ ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ ७ ॥ भुभकमे ॥ ८ ॥ यरुभिभउ ॥ ९ ॥ भुभ

॥ १० ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ ११ ॥ भुभकमे ॥ १२ ॥ यरुभिभउ ॥ १३ ॥ भुभ

॥ १४ ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ १५ ॥ भुभकमे ॥ १६ ॥ यरुभिभउ ॥ १७ ॥ भुभ

॥ १८ ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ १९ ॥ भुभकमे ॥ २० ॥ यरुभिभउ ॥ २१ ॥ भुभ

॥ २२ ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ २३ ॥ भुभकमे ॥ २४ ॥ यरुभिभउ ॥ २५ ॥ भुभ

॥ २६ ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ २७ ॥ भुभकमे ॥ २८ ॥ यरुभिभउ ॥ २९ ॥ भुभ

॥ ३० ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ ३१ ॥ भुभकमे ॥ ३२ ॥ यरुभिभउ ॥ ३३ ॥ भुभ

॥ ३४ ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ ३५ ॥ भुभकमे ॥ ३६ ॥ यरुभिभउ ॥ ३७ ॥ भुभ

॥ ३८ ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ ३९ ॥ भुभकमे ॥ ४० ॥ यरुभिभउ ॥ ४१ ॥ भुभ

॥ ४२ ॥ कउ भद्रिउत्तम भद्रमः ॥ ४३ ॥ भुभकमे ॥ ४४ ॥ यरुभिभउ ॥ ४५ ॥ भुभ



क मभन य यभिन्नेकेनिलेवति  
 भुभकमे ययि ययुत धिउः विमुः क  
 धरनेकेभक मभु यउं भोगु भकव म  
 लीयउरुसीपंधवि ययभिनमः ॥९॥ सुव  
 नमेभुरभयति ॥ कय धुं ठ सुने भुदं संवथ  
 भिरिधुं भभुभा रमेभनेकर निलेकवतुं भिकुत  
 लिरड्ययभुभा ॥ भिवकरां भभनेकवतुं क  
 वतुं भुध भुधित नभा भकन्येदं धिभुजिदं भ  
 भुधभं भुसीपभा ॥ १० ॥ वनेदि लीं भंयुतं भ  
 भुधभं भुसीपभा ननं भभनइ पिनुयं भुत  
 भुधभं भुसीपभा ननं भभनइ पिनुयं भुत

[illegible]



न यत्कं ग ॥ भिभरुहृमीधभिभ्रः ॥ १॥  
॥ नवतुपंडुधः ॥ भनगधप्रणयिनभा ॥ य  
यविभिउंभयविष्टुनीधेयंथरिकनितः ॥ भ्रक  
॥ भूतिभैठवकेमय ॥ भ्रकगजलेमैमैभ्रतुरे  
ले भग्लेकगतभ्रसभ्रक संजमभचर ॥ भ्रकः य  
भुभ ॥ भ्रहः धितः विष्टुः कतुभः क्रियाभः भग्लेक  
॥ सभ्रभ्रउं सुप्रये ॥ भ्रप्रिमीधंथरिकनितयभिनभः ॥ ५ ॥  
नैरुते ॥ नभभ्रभयैति ॥ भ्रहप्रतुहृष्टय गतभ्र  
लेकभ्रभ्रवमैमलभ्र नमैमकंनैरुतेमिष्टुग  
॥ भ्रकं ॥ भ्रहप्रतुहृष्टयभनैरु  
॥ यभि

ल १ भुक्तमदुलयेगे भिगंगः  
विश्वरूपीतिभुतभुकेसवः ॥ यथैक यथाभु  
सुखं वेधुः कण्ठभ विद्याभा धुनेकेभुक्तमभु  
यभनेदुतीथंथरिकनर्गभिनभः ॥ ७ ॥ म  
ह ॥ नभेभुक्तभयति ॥ वायुवक्त्रेयसिनंमन्ननीरि  
हृदंयभुनेगणभभ नमंमकंभ्रिगउंवभ  
मदेःविभुःसुत्रमिधंननिटभा ॥ भद्रुल्ययभुद  
भक्तउदयमीथके भद्रुलेयउ मिहृननगड  
ठ ॥ यभिन्नेके १ सुतदुनेभविभीलेयभभन  
सुयैभुक्तमउथेविश्वरूपीतिभुभभकेहृदं ॥ ८ ॥  
भद्रुलेयभुक्तमउथेविश्वरूपीतिभुभभकेहृदं ॥ ८ ॥

१



॥ १ ॥ धिउः विभुः कउ वि  
गलेकेभूयमे भद वयवपमिमन  
नयभिनमः ॥ १ ॥ सुसमने ॥ नभसुतम  
धुधुयप्रणिउंर लवहृयकगणहणमि  
हउकभमिमिधं लमहृंर मिपिहृगमभसुभा ॥  
मयधृदंरु वनमसुगनभके भदधराहृदाल  
मुउधुमजिमे ॥ यभिमलेके ५ ॥ मध यर सुहृ  
विभुः कउ विभुः धरलेकेभूकमधुधुयः धे  
मिदुंमनेधनममदुगरीयंपरिकलयभिनमः ॥ ३ ॥  
यभिमसुहृ गीधराणंभुदधृभा  
भयति।

५॥ यस्तुतिः परमं लेक उभे ॥ १ ॥  
 श्री — येयं परिकल्पितः ॥ १ ॥  
 विष्णुः कर्तुमं विद्युमं परिकल्पकं सधु  
 ॥ १ ॥  
 भद्रं कर्णनिष्ठ उये भये मुनताष्टं मुनताष्टं  
 मुनताष्टं दमराष्टं मुनताष्टं इल्लयुतभमपठ कर्तु  
 एव विद्युमं भद्रितो विद्युमं धीष्टं श्रीधराष्टं परिक  
 नमः ॥ ॥ ७ ॥ उते श्रीधमं लेय विष्णुविक्रमभा  
 भाष्टं मुनितेः धा ॥ ॥ मुनताष्टं विष्टं मुनितेः धा  
 उतः इधुमं धमं वदय भिनमः ॥ ॥  
 नय ॥ ॥

३





च भदिक रिष्टे जिह्वामु वि  
वमं ॥ सुवदः ठगवतः वधम सुवदः मभनं  
भतः प्रवेभीउयुतभुगधयभु उरगभु मभु  
॥ ॥ भदगलभतये वधिविय ॥ प्रवेभीउय  
हः उः मः वः प्रणयभि र्प्रणय ॥ भदधमीरु  
भन ॥ वधमवमं भदगलभति प्रवेभीउयुतं  
मभं सुवदयिष्टाभि जिमुवदय ॥ ॥ सुवदय  
हमि ॥ उमेमीधकलमानभा ॥ प्रवे सुवदयभुदं  
भीउययुतभा भलसुभदभेद मभनभुगभयय  
लेभद ॥ सुवदयभिभगभुनउंभदभ ह  
भनउयययभुभं भदगलभति वधम

18  
...दय भिविरय सिउथम  
...यउथमा भीउयउंभकल  
...यउथमा ॥ सु  
...भनेधक सकरभकभन  
...भीउविउंभकलभेदउभनगउं मीधंमलकु  
...भदरथवाष्टमा ॥ प्रचेभीउयउयगथवायनमः ॥  
...क्रिल ॥ सुवदयधुदंनंयकयष्टमभुगउमा ।  
...भदवुसभनंथरलेकधक मरमा सुक्तवलेम येन  
...दयभिसरमविउथमधंमंउलेभयउथनवदि  
...यल्लीवउउंनवधठपिउंफ थगवु  
...भनेधक सकरभकभन



वमभरेपत्रउंगुलकुमा ॥ १ ॥ सुखधाम ॥  
 ननुदयभिवदुपयउंगुलसभा ॥ २ ॥ सुखय  
 लपउमेतिथेरुनेयभनपुधयपरितुभेधम  
 कसभतिभेददरंगनन ॥ ३ ॥ सुखयभिवरसभि  
 पभा ॥ ४ ॥ सुखिलसकायलीपुतायननुयनभः ॥  
 सिभ ॥ ५ ॥ सुखदयभदभदकाययभदिउंविदु  
 कउंगुदएकभनिठिःपरिवधितभा उंगुपुंराग  
 भउसुखवदनभा परनेकगउभुसुपुउभुभि  
 व गजवलेभ ॥ ६ ॥ सुखदयभिवरवनिउपुमपुं  
 निधिंसमसुतैः किरलनपुउभा कसुपुंष्ट  
 भगनभ ॥ ७ ॥ सुखदयभिवरवनिउपुमपुं  
 ययभः

...कर्मभन... सुकृभा गङ्गागिरिधुगलभ  
गलेन भवदयभियमरे सुभभुभाभुभा ॥ क  
वभनमीधुयभभभभेदेपसुत्रदरल्लगउभ  
वगिनमकभदेनिधि सुभगु सुवदयभिदिनि  
भमीधभा ॥ सुवदयधुदंमेवंगेदिहभदिउवि  
निमीधनीनसंभचनरभुययकभा उलेउपंमि  
नलठिःपरिवेधुउभा धालेकगउभुसुभुउभुभक्ति  
भा सुल्लवलेभ ॥ सुवदयधुभउउपकलनिप  
पाउंगिरिमसापरहुउभिभभा श्रीरेदिनीयउउं  
...कर्मभन... ॥ श्रीरेदिनीयउभुभुय  
...भन... भन...

धपिधतिभनरठिवहृ भवदयमिधरु  
 मूरिदिनीयुतभसेधतभयतिरिमीतं मुने ठउम  
 क्रिठगभा मरुष्टमीधमभनप्रतिभुमेप्रभाय  
 मनभाभदभाधप्रलभा विम्विभकययुतयमि  
 येरदिनीयुतयमरुभमेनमः ॥७॥ सुयेउरे ॥ सुय  
 दंमेवेरुक्तिनीभदिउंविठभा विष्ठुयुपेधेरवृन  
 प्रवृष्टिभभा नभवलं ॥ उउरुक्तिनीयुतयदभुय  
 सुययेये ॥ सुवदयभिवरम विम्वीकुरितेरभे  
 भुरयेभचमेयनभधेउ परलेकगतभुसुभुउभु  
 रकुवलं ॥ सुवदयभिदिमस जितध  
 धगति



[illegible]

भित्तवभृष्टभक्तो जीधनुषके चरलेकगः ॥ १ ॥ पुत्र  
मयके भीतिवले ॥ सुवदयभिवमं एतन्म  
वदन्तीदुपमंभक्तलपितुमा ययंमभवेगः  
विस्तुतुपंभेगवृकमः ॥ सुवदयभिमलिलेस  
धमन्नुपदंरिगगः विमलपुठमा धयेधन  
भल्लुतुभिममंमेधधदरकभनीयगुलः भमेत  
नल्लवयुहंनभः ॥ १ ॥ सुवेमने ॥ सुवदयभिले  
पनमंसङ्गंउय जीधनुषपमंमनुंउलेठिः धरिभमि  
धरलेकगः सुपुत्रमभिमयः सुक्तवलेभद  
दयभियनंमभममहं यकेसुंनिपिधतिन  
भा श्रीमन्मन्विदुपमन ॥ १ ॥

नय निराल सुख मोक्ष मनु भवतु वि सुख लयतु ममेधम  
 सुंभर भवग सुजित मधुमेय भव भूक सक मनतु  
 ॥ ३ ॥ सुख भवे सुख दय भिवर संकेत सुनिपाप  
 सुमिद्र भमरे सुख प्रिया सुदिभा कतु यतं भवि विर  
 कं भम सुमी भव विरगा गतं धरं निपाप भा ॥ ४  
 कतु गतं विभल भम सुख लय भम भूत भनतु सुख दि  
 सुख दय भिविय य भवि तं भवे संगे विरम भवि प्रम  
 नल मयन भा ॥ सुनतु सुनैक रं नैक दं सुं भद सु  
 सुं नैक सीधुं उरे तु यं रग गदुतु भा सुल यतं सी  
 विभवि सुपा नैक य पदं सुं सु सु



इउगेशरभा परनेकगतभृष्ट उभृभाज एकभा  
नयभिवद्रथमरुणे मरुमीक्षिकिकलभविउरु  
भा इलनयउंकभनभएविगणभनंथेरुवक  
भकमउथभा ॥ सुवदयभिरक्रुउंरागभृष्टिगण  
रेभचगतिक्कैउथले भिक्षुभयिने कइधुपतिः ॥  
दक्षीकक ॥ उउः विभुप्रणनंमदिगुउं ॥  
मभमहेन महुः पिउः विभुः कउभः विभुमः क  
ह ॥ महुः पिउः विभुः कउभः विः भीउयउ  
नक्रुभीष्ट उिलभम भएवः भीउलक्रु  
गयवः भिभ ॥ ० ॥ महुः उः विभुः ॥  
महुः विभुः ॥

लीयउमधुभीष्ट ॥५॥ अह पिउः विभेः कउः वि.  
 कययउमिवाकरेदि लीयउमधुभीष्ट ॥६॥  
 उः विभेः कः वि. नलि लीयउम विभुभीष्ट ॥ ७ ॥  
 भउः विभेः कः वि. उम प्रिकलमभीष्ट तिलः ध  
 उम ग्रीभीडेभुमा ॥८॥ अह पिउः वि. कः वि.  
 उउभीष्ट वि. ध. यभनरेउभीडेभुं ॥९॥ अह  
 वि. कः वि. यमभनरुभीष्ट. वि. ध. य  
 भीडेभुं ॥१०॥ अह पिउः वि. कः वि. यनरुम  
 वि. ध. यनरुमहरेभीडेभुं ॥११॥ उउः भुति  
 यमभनरुम यनरुम

27

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

०६



[illegible]

लीयुतमा उतः कुमलमिज्जलु न याम्बु य... एते क  
 वकुलमपि उयपनमसङ्को मनतुवङ्गिणिमं मुनं  
 मिरन्नापं भक्तुं भाषयं एये लुनयुतममप्रुभा  
 पंभं पिउं एये मीपमृकुं मभं रठेता विभंगमपं  
 न्नमरुभुं मिययुतमा एउपीउभुं मयं मृकुं  
 विपीयते ॥ उतेपांभं भवेनैव भवंकमृकुदता ॥  
 प्ररुयभावाद्यपि भिनमः नमभुनतुयेति भव  
 गायत्री मृकुवता एउपतेः वासुमेवभु  
 उताउभुतायवभु ॥ भए मनतुभु विमृता  
 म विभुपम मनतुवङ्गपार... मभ